TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

E=mc²
P(A|B)=P
Abc
EDUCATION
123
y=f(x)

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

13 सितंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

एक ईमानदार आदमी हमेशा एक बच्चा होता है।

सुकरात

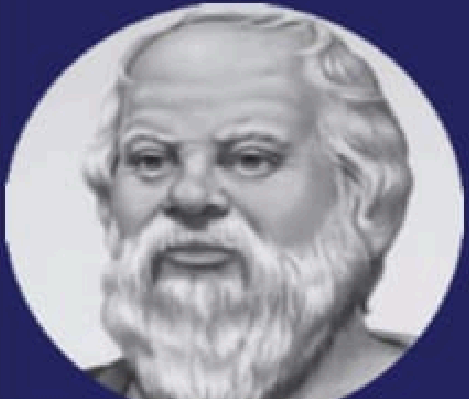

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

13 सितम्बर

Friday

1. **वर्ल्ड सेप्सिस डे–** संक्रमण की एक जानलेवा अवस्था, जब किसी संक्रमण को रोकने के लिए खून में छोड़े गये रसायन पूरे शरीर में सूजन पैदा कर दे तो इसे सेप्सिस कहा जाता है। इससे एकाधिक अंगों को नुकसान पहुँचता है और कई बार अंग काम करना भी बंद कर देते हैं। इससे व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। इसको रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने हेतु पूरे विश्व भर में 13 सितम्बर को वर्ल्ड सेप्सिस डे के रूप में मनाया जाता है।

2. **जतीन्द्रनाथ दास का निधन–** जतीन्द्रनाथ दास, जिन्हें जतिन के नाम से भी जाना जाता है, भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी और हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य थे। लाहौर सेण्ट्रल जेल में 63 दिनों के भुख हड़ताल के बाद जतीन्द्रनाथ दास का निधन 13 सितम्बर, 1929 ई. को हो गया था। इनको 1925 ई. में काकोरी कांड के लिए गिरफ्तार किया गया था। इन्होंने जेल में क्रांतिकारियों के साथ हो रहे अमानवीय दुर्व्यवहार को देखा जिसके खिलाफ उन्होंने अनशन शुरू कर दिया था।

3. **हैदराबाद में कारवाई–** वर्ष 1948 में उप प्रधानमंत्री सरदार वल्भ भाई पटेल ने भारतीय सेना को हैदराबाद में घुसकर कारवाई करने और उसे भारतीय संघ में विलय करने का आदेश दिया। हालात यह थे कि हैदराबाद का निजाम स्वायत्त राज्य घोषित करने की फिराक में था। यदि वह ऐसा करने में सफल हो जाता तो पाकिस्तान को भारत पर हमला करने का बल मिल जाता। पाकिस्तान तो यह चाहता था की हैदराबाद के इस कारवाई के बदले में दिल्ली पर बम बरसाया जाये लेकिन उस समय उसके पास सिर्फ दो ही बमवर्षक विमान थे और यदि वे भारतीय सीमा में घुस आते तो वापस नहीं जा पाते। हैदराबाद पर पाँच दिनों तक चली कारवाई को ऑपरेशन पालो नाम दिया गया क्योंकि उस समय विश्व में सबसे ज्यादा 17 पोलो के मैदान भारत में ही थे।

/teachersofbihar

Madhu priya

मधु प्रिया

विश्व सेप्सिस डे 13 सितंबर

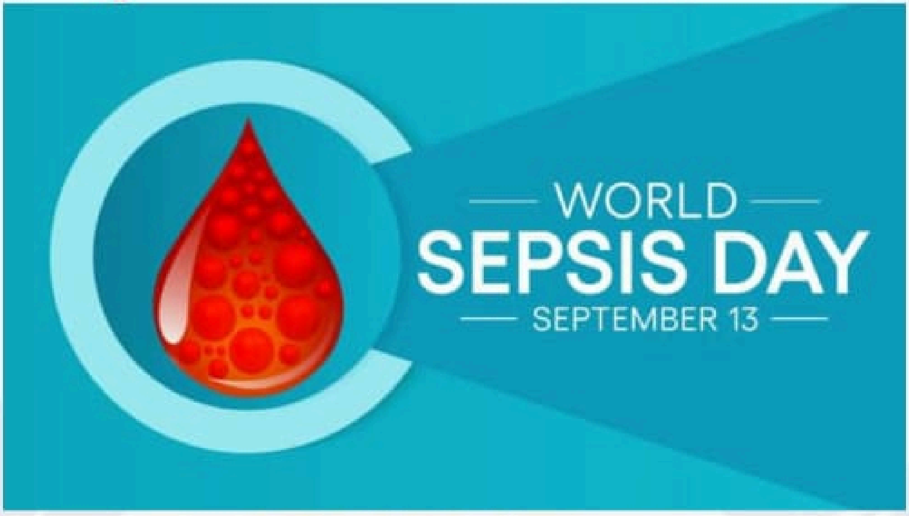

हर वर्ष 13 सितंबर को वर्ल्ड सेप्सिस डे मनाया जाता है। इस दिन लोगों को सेप्सिस के बारे में जागरूक किया जाता है। जो एक जानलेवा कंडीशन है। सामान्य तौर पर इंफेक्शन के दौरान शरीर से कुछ केमिकल मैसेंजरर्स(जैसे प्रोस्टाग्लैंडीन्स) खून में रिलीज होते हैं जिससे बीमारी फैलने वाले पैथोजेन पैदा ना हो सके। सेप्सिस तब होता है जब बॉडी इन केमिकल्स को ठीक से रेस्पॉन्ड नहीं कर पाती और यह कंट्रोल से बाहर होकर बॉडी को ही डैमेज करने लगता है। इस कंडीशन में मल्टीप्ल ऑर्गन फेल होना या शरीर को काफी नुकसान हो सकता है। अगर कंडीशन सेप्टिक शॉक तक पहुंच जाए तो मरीज का ब्लड प्रेशर काफी नीचे पहुंच जाता है और मरीज की मौत तक हो सकती है। इसलिए सिप्सिस के बारे में जानना और उसके बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। बॉडी में इन्फेक्शन जैसे निमोनिया, घाव से पस निकलना यूरिनरी ट्रैक इंफेक्शन वगै kareह। शरीर का तापमान 100.94 डिग्री फारेनहाइट से ज्यादा या 96.8 डिग्री से कम हो जाता है बेचैनी या दिमाग अस्थिर हो जाता है, ब्लड प्रेशर में उतार चढ़ाव 90 बिट्स पर मिनट से ज्यादा हार्ट रेट, तेजी से सांस चलना शुरू में मरीज का स्किन गर्म और लाल देखना इत्यादि है। लेकिन मर्ज बढ़ाने के साथ स्किन काफी ठंडी हो जाती है, पेशाब कम आना या पूरे दिन पेशाब न आना। भारतीयों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक से सेप्सिस मरीजों में श्वास नली में होने वाला इन्फेक्शन सबसे ज्यादा पाया जाता है। दूसरी वजहे इंट्रा एब्डामिनल इनफेक्शंस(पेट में होने वाले) ब्लड इंफेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इनफेक्शन, स्किन इन्फेक्शन, गाइनेकोलॉजिकल इन्फेक्शन, हड्डी और जोड़ों का इन्फेक्शन और कई अनजाने स्रोतों से होने वाले इन्फेक्शन हैं।

Teachers of Bihar
The change makers

पुण्यतिथि विशेष 13 सितंबर

राकेश कुमार

भारत की स्वतंत्रता के लिए
अपने प्राणों की आहुति देने वाले
महान क्रांतिकारी
अमर शहीद
जतीन्द्रनाथ दास जी
की पुण्यतिथि पर
शत् शत् नमन...

जतीन्द्रनाथ दास *Jatindranath Das*; जन्म- 27 अक्टूबर, 1904, कलकत्ता, ब्रिटिश भारत; मृत्यु- 13 सितम्बर, 1929, लाहौर, पाकिस्तान) भारत के प्रसिद्ध क्रान्तिकारियों में से एक थे, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए जेल में अपने प्राण त्याग दिए और शहादत पाई। इन्हें 'जतिन दास' के नाम से भी जाना जाता है, जबकि संगी साथी इन्हें प्यार से 'जतिन दा' कहा करते थे।

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 13.09.2024

सृजनात्मक चिंतन

सृजनात्मक चिंतन में नए और मूल विचारों का उत्पादन या समस्याओं का समाधान शामिल है। कभी-कभी सृजनात्मक चिंतन को अलग तरीके से सोचने या सोचने का एक नया तरीका समझा जाता है। हालांकि, यह जानना महत्वपूर्ण है कि नवीनता के अलावा, मौलिकता भी सृजनात्मक चिंतन की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

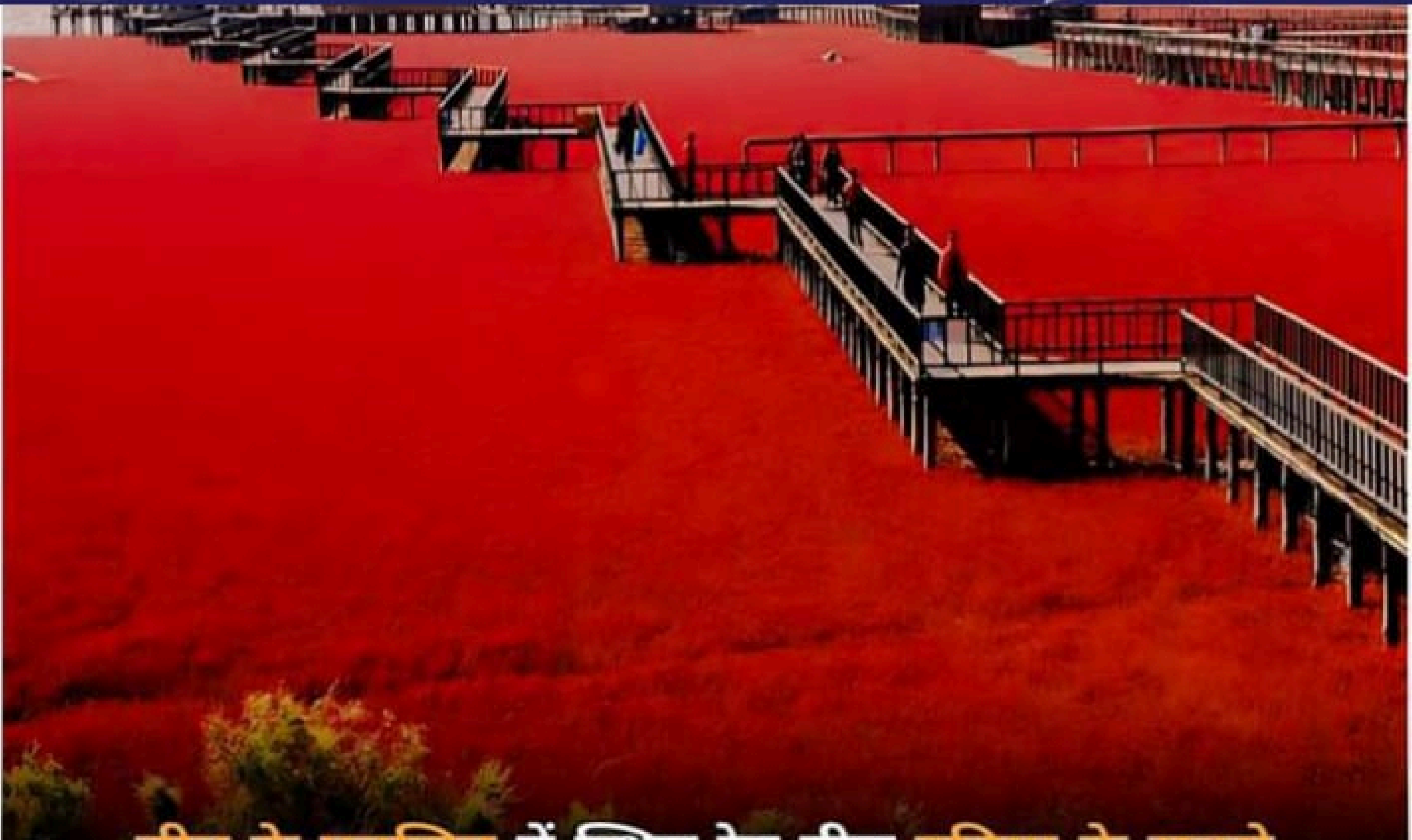

चीन के पनजिन में स्थित रेड बीच दुनिया के सबसे अनोखे और सुंदर समुद्र तटों में से एक माना जाता है। यह तट लाल रंग की समुद्री घास से ढका हुआ है, जो इसे खास और शानदार बनाता है। यह खूबसूरत नजारा केवल कुछ महीनों के लिए दिखता है, जब समुद्री घास अपने पूरे लाल रंग में खिलती है।

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

cricket

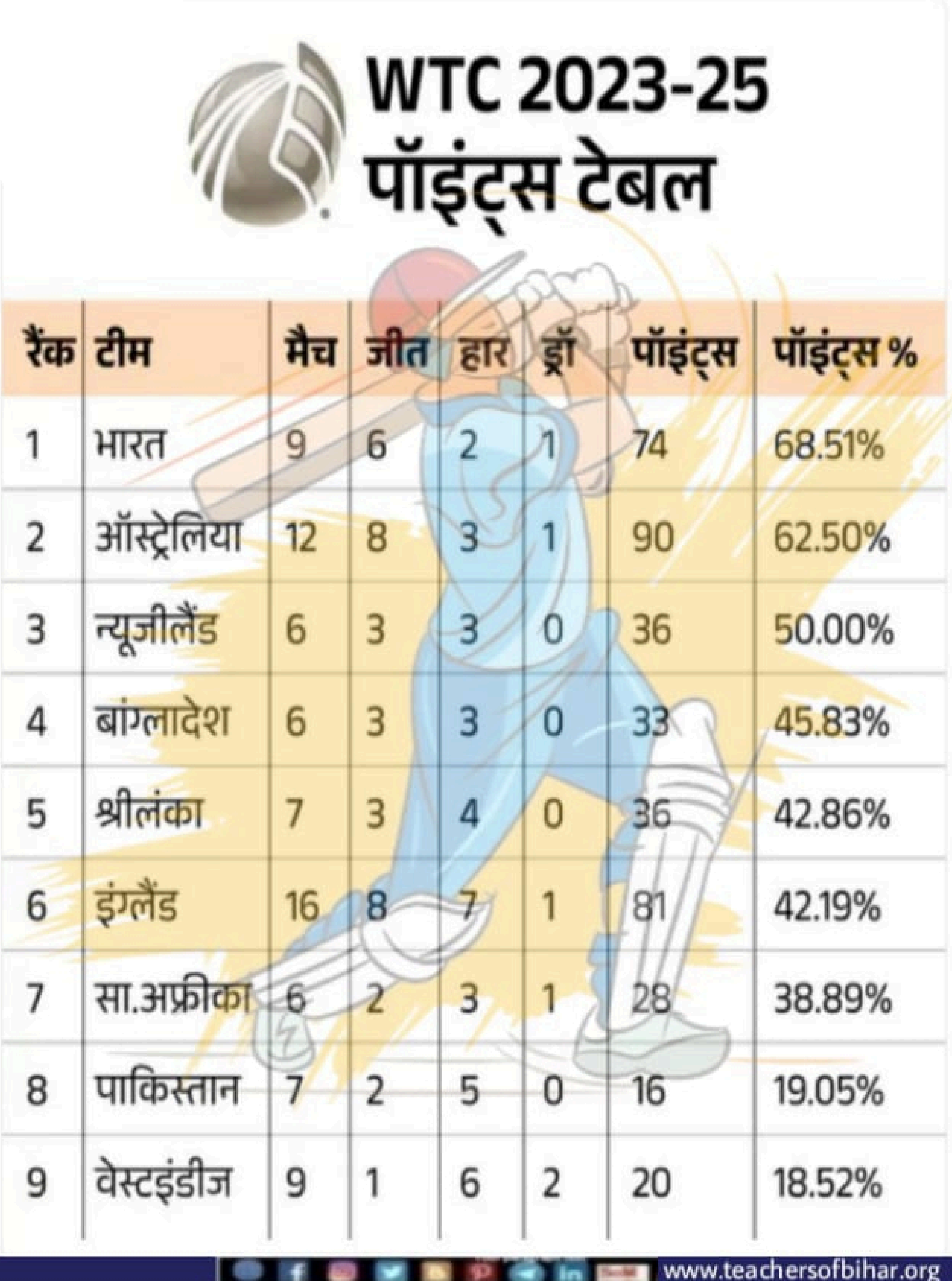

WTC 2023-25 पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	पॉइंट्स	पॉइंट्स %
1	भारत	9	6	2	1	74	68.51%
2	ऑस्ट्रेलिया	12	8	3	1	90	62.50%
3	न्यूजीलैंड	6	3	3	0	36	50.00%
4	बांग्लादेश	6	3	3	0	33	45.83%
5	श्रीलंका	7	3	4	0	36	42.86%
6	इंग्लैंड	16	8	7	1	81	42.19%
7	सा.अफ्रीका	6	2	3	1	28	38.89%
8	पाकिस्तान	7	2	5	0	16	19.05%
9	वेस्टइंडीज	9	1	6	2	20	18.52%

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 457

पेरिस पैरा ओलंपिक समापन समारोह में भारत का ध्वजवाहक किसे चुना गया है ?

A. प्रीति पाल

B.हरविंदर सिंह

C. Aऔर B दोनो

D. मनु भाकर

www.teachersofbihar.org

विश्व सेप्सिस डे

13 सितंबर

आइए इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक करे और खुद भी जागरुक बनें।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रांतिकारी

जितेन्द्र नाथ दास

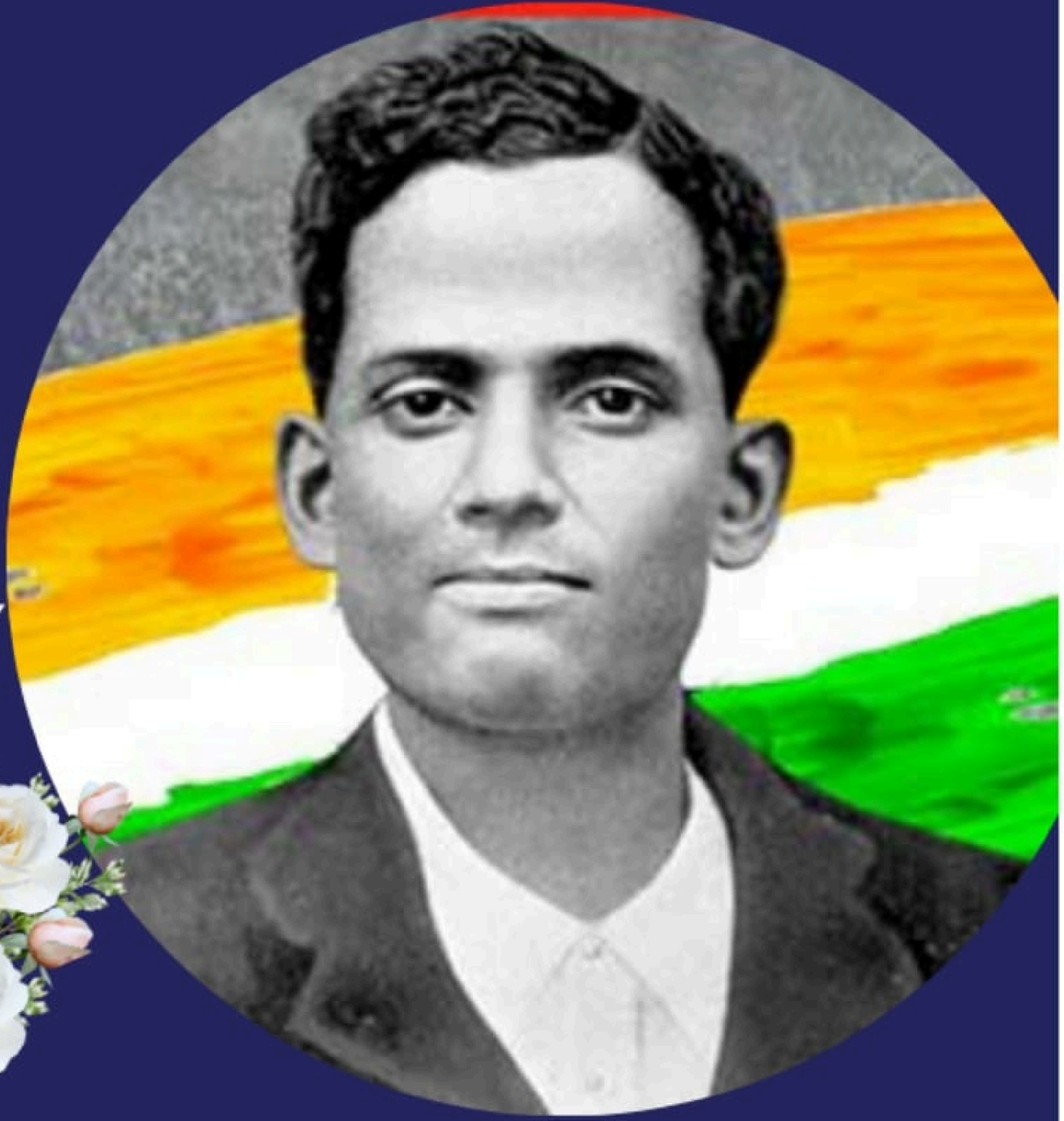

की पुण्यतिथि पर
सादर नमन।

27 अक्तूबर 1904-13 सितंबर 1929

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

13 सितंबर

महान स्वतंत्रता सेनानी

'अमर शहीद'

जतीन्द्रनाथ दास

की पुण्यतिथि पर सादर नमन

27 अक्टूबर 1904 - 13 सितंबर 1929

Punita Kumari

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

शैक्षिक पोस्ट नियमावली- 1

सभी शिक्षकों से विनम्र निवेदन

कृपया ध्यान दें कि किसी भी डॉक्युमेंट्री, प्रोजेक्ट कार्य या शैक्षणिक गतिविधियों में **फिल्मी गानों** के स्थान पर शास्त्रीय संगीत अथवा अन्य उपयुक्त संगीत या वीडियो का उपयोग किया जाए। इससे न केवल प्रस्तुतिकरण की गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व भी उजागर होगा।

आपका सहयोग अपेक्षित है।

धन्यवाद।